रविवारीय

लखनऊ और कानपुर से एक साथ प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

www.swatantrabharat.com

प्रकाशन का 64 वां वर्ष

6 गुण अतिक्रमण से व्यक्ति का रूपांतरण होता है

7 नख से शिख तक श्रृंगार

❑वर्ष 64 ❑ अंक 251 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ, रविवार, 8 मई, 2011 ई. वैशाख मास शुक्ल पक्ष 5 सं. 2068 वि. ❑पृष्ठ 12+4 ❑मूल्य 2.00 रुपये

अब हवा से चलेगी मोटर साइकिल

प्रो. भारत राज सिंह ने किया अविष्कार

लखनऊ (सं.)।

डेवलमेंट एण्ड एनालिसेस एअर इंजन पर शोध के क्रम आज निजी संस्थान में अपनी सेवा दे रहे प्रोफेसर भारत राज सिंह को हेड ऑफ डेवलमेंट मैकेनिकल इंजीनियरिंग एचबीटीई डा. ओंकार सिंह के निर्देशन में शोधार्थी को गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान कर डाक्टर की उपाधि से नवाजा गया। अपनी उम्र के तीसरे पड़ाव में भी युवा जोश से भरपूर डा. भारत राज सिंह का जन्म जिला सुल्तानपुर के एक छोटे से कस्बे राईबीगो तहसील कादीपुर में वर्ष 1947 में हुआ था। साइंस से इण्टरमीडिएट करते समय ही 1963 में तत्कालीन राज्यपाल विश्वनाथ डाक के द्वारा जूनियर साइन्टिस्ट का अवार्ड प्रदान किया गया। करीब 32 वर्षो की सेवा में

इन्होंने केन्द्र व राज्य सरकारों की तमाम संस्थानों में परियोजना प्रबंधक, महाप्रबंधक तथा मुख्य प्रबंध निदेशक पदों पर कार्य किया। भारत राज सिंह आज देश में नहीं बल्कि विदेश के कई मुल्कों में अपने इस शोध तथा ग्लोबल वार्मिंग को कम करने जैसी योजनाओं का लोहा मनवा चुके है। हवा से मोटरसाइकिल चलाने का अविष्कार कर चुके सिंह ने अपने इस शोध को पेटेंट हेतु दिल्ली से भी रजिस्टर्ड करा लिया है।